केन-बेतवा लिंक परियोजना से बदलेगी बुंदेलखंड की तस्वीर

भोपाल। केन–बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है, जिसमें केन नदी पर बांध एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना है।

केन नदी मध्यप्रदेश के कटनी जिले से प्रारंभ होकर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में यमुना नदी में मिल जाती है। केन नदी के कुल जल ग्रहण क्षेत्र 28058 वर्ग कि.मी. का 87 प्रतिशत हिस्सा मध्यप्रदेश में और 13 प्रतिशत हिस्सा उत्तरप्रदेश में है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा कछार में बीना कॉम्प्लेक्स, कोटा बैराज तथा लोअर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना सम्मिलित है।

परियोजना से मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं दमोह जिलों में माइक्रो इरीगेशन से केन कछार में 4.51 लाख हेक्टेयर, बेतवा कछार के विदिशा, रायसेन,सागर, शिवपुरी एवं दतिया जिलों में 2.06 लाख हेक्टेयर तथा उत्तरप्रदेश के बुंदेलखण्ड क्षेत्र के बांदा, महोबा और झांसी जिलों में 2.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई तथा पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। परियोजना से उत्पन्न होने वाली 103 मेगावॉट बिजली पर पूरा अधिकार मध्यप्रदेश का रहेगा। इस परियोजना के द्वारा कुल 9.08 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई तथा लगभग 62 लाख (मध्यप्रदेश 41 लाख, उत्तरप्रदेश 21 लाख) आबादी के लिए पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। योजना से राज्य में वार्षिक सिंचाई 8.11 लाख हेक्टेयर में की जायेगी।

केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का जन जागरण अभियान

जिला	परियोजना की संख्या	लाभांन्वित ग्रामों की संख्या	नवीन सिंचाई (हेक्टेयर)
छतरपुर	1	80	416942
पन्ना		688	98800
टीकमगढ़		326	33650
निवाड़ी		132	33500
दमोह		156	26935
योग (प्रथम चरण)	**1**	**1382**	**604828 (6.05 लाख)**

जिला	परियोजना की संख्या	लाभांन्वित ग्रामों की संख्या	नवीन सिंचाई (हेक्टेयर)
सागर	3	262	90000
शिवपुरी		234	76800
विदिशा		83	20000
दतिया		39	13200
रायसेन		13	6000
योग (द्वितीय चरण)	**3**	**631**	**206000 (2.06 लाख)**
महायोग	**4**	**2013**	**8.11 लाख हेक्टेयर**

केन–बेतवा लिंक परियोजना एक नजर...

- अनुमानित लागत 44 हजार 605 करोड़ रुपए।
- परियोजना से प्रदेश के 10 जिलों के 1,900 ग्रामों में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।
- 41 लाख की आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी।
- 103 मेगावाट विद्युत उत्पादन भी होगा।
- केन–बेतवा लिंक परियोजना के लिये 24 हजार 290 करोड़ रुपये से अधिक स्वीकृत।
- केन बेतवा लिंक परियोजना, संशोधित पार्वती सिंध परियोजना और नर्मदा घाटी विकास विभाग की अन्य प्रस्तावित महत्वपूर्ण परियोजनाओं से भी प्रदेश में 19 लाख 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा बढ़ेगी।

बांध का 90 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण

- केन बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत द्वितीय चरण में मध्यप्रदेश राज्य में लोअर और कोटा बैराज एवं बीना काम्पलेक्स का कार्य प्रगतिरत है। वर्तमान में परियोजना में बांध का कार्य 90 प्रतिशत एवं नहर का कार्य 40 प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है। इन कार्यों के पूर्ण होने पर राज्य के 05 जिलों (सागर, रायसेन, विदिशा, शिवपुरी एवं दतिया) 2.06 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुनिश्चित की जाएगी।
- परियोजना के प्रथम चरण में दौधन बांध के निर्माण से प्रभावित 6017 हेक्टेयर वन भूमि के एवज में 5913.43 हेक्टेयर भूमि की अधिसूचना जारी कर राजस्व एवं निजी भूमि पन्ना टाईगर रिजर्व (पी.टी.आर.) को संबंधित जिला प्रशासन द्वारा हस्तांतरित कर दी गई है, शेष 104 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की गई है।
- परियोजना से मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं दमोह जिलों में माइक्रो इरिगेशन से केन कछार में 4.5 लाख हेक्टेयर, बेतवा कछार के विदिशा, रायसेन, सागर, शिवपुरी एवं दतिया जिलों में 2.06 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के साथ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।